

क्षय रोग से ग्रसित बच्चों को गोद लिया जाये

देश के किसान सशक्त एवं समृद्ध हो

— श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ: 23 फरवरी, 2021

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज उ०प्र० पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान मथुरा के सभाकक्ष में स्वयं सहायता समूह, किसान उत्पादक संगठन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन तथा रेडक्रास सोसायटी के साथ बैठक की। राज्यपाल ने इस अवसर पर कुपोषित बच्चों एवं महिलाओं को फल एवं उपहार आदि भी भेंट किये।

राज्यपाल ने कहा कि क्षय रोग से ग्रसित बच्चे हमारे समाज के लिए चिन्ता का विषय हैं, इनकी देख-भाल करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। जब तक समाज को इनके साथ नहीं जोड़ा जाएगा तब तक बीमारी नहीं जाएगी। क्षय रोग से ग्रसित बच्चों को गोद लिया जाये और उनकी अच्छी देखभाल करके उन्हें रोगमुक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि हमारे खून में सेवा भाव है इसीलिए लोग सेवा के लिए लोग आगे आकर कार्य करते हैं। भारत सरकार ने तय किया है कि 2025 तक देश को टी०बी० मुक्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रेडक्रास सोसायटी इस दिशा में महती भूमिका निभा सकती है।

एक अन्य कार्यक्रम में राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं तथा किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के साथ बैठक की गई। बैठक में राज्यपाल द्वारा समूह की महिलाओं से उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने राज्यपाल को बताया कि समूह की महिलाओं द्वारा आचार, अगरबत्ती, मोमबत्ती, सिलाई-कढ़ाई तथा अन्य उत्पाद बनाने का कार्य किया जा रहा है।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने किसानों की आय बढ़ाने तथा खेती को लाभप्रद बनाने का सुझाव देते हुए जैविक खेती पर जोर दिया और रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग पर चिन्ता व्यक्त की। उन्होंने यह भी कहा कि किसान अन्नदाता हैं, वह अनाज उगाते हैं और प्रधानमंत्री का कहना है कि वे अपनी फसल की कीमत किसान स्वयं तय करें ताकि उनकी उपज का वास्तविक मूल्य मिले। भारत सरकार की मंशा है कि हमारे देश के किसान सशक्त एवं समृद्ध हो। एफ०पी०ओ० का गठन इसी दृष्टि को लेकर ही किया जाता है। उन्होंने निर्देश दिया कि सरकार द्वारा चलाई जा रही हितकारी योजनाओं का लाभ किसानों की शत-प्रतिशत मिले।

इस अवसर पर राज्यपाल अपर मुख्य सचिव श्री महेश कुमार गुप्ता, जिलाधिकारी, रेडक्रास सोसायटी के सदस्यगण, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं तथा बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित थे।

